रायपुर, शुक्रवार २५ जुलाई २०२५

राजिम | फिंगेश्वर | छुरा | मुड़ागांव | रसेला | गरियाबंद | कोपरा | मैनपुर | देवभोग | पांडुका | छुईहा बेलर 🖣



खबर संक्षेप

३० लीटर महुआ शराब जब्त एक गिरफ्तार



फिंगेश्वर। फिंगेश्वर पुलिस ने सेवरा अभियान के तहत अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने ग्राम बेलर के पीलाराम साहू को उसके घर से 30 लीटर कच्ची महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया है। जब्त की गई शराब की कीमत 6,000 रुपये आंकी गई है। गरियाबंद के वरिष्ठ अधिकारियों ने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध गांजा और शराब के परिवहन व बिक्री पर रोक लगाने और कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इन निर्देशों के पालन में फिंगेश्वर पुलिस लगातार मुखबिरों और पेट्रोलिंग के जरिए सक्रिय थी। पुलिस को 23 जुलाई 2025 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि पीलाराम साहूँ अपने घर में हाथ भट्टी से बनी देशी कच्ची महुआ शराब बेचकर अवैध लाभ कमा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने ग्राम बेलर पहंचकर पीलाराम साहू को घराबंदी कर पकड़ा। गवाहों के सामने पीलाराम साहू के घर की तलाशी लेने पर अलग-अलग प्लास्टिक के जरिकनों में 30 लीटर कच्ची महआ शराब मिली, जिसे जब्त कर लिया गया। के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद, आरोपी को गवाहों के सामने विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में

महिलाओं ने उपवास रख कर पार्थिव शिवलिंग की पूजा की

भेज दिया गया है।



रसेला। श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की शिवरात्रि पर बुधवार शाम को पूरा अंचल भक्ति और श्रद्धा में सराबोर नजर आया। कोरोना काल के बाद यह पहला अवसर था, जब इतने बड़े पैमाने पर सामृहिक रूप से ऑनलाइन पूजा देखने को मिली। इस 🔰 शोष पेज 12 पर

मांग : चरौदा समितियों का दावा, खाद की कमी नहीं होने देंगे

डीएपी खाद की किल्लत से जूझ रहे किसानों ने 3 दिन का दिया अल्टीमेटम

हरिभूमि न्यूज 🕪 छुईहा बेलर

खरीफ सीजन में धान की फसल के लिए खाद डालने का उचित समय आ गया है, लेकिन किसान डाई अमोनियम फास्फेट (डीएपी) खाद की भारी कमी से जुझ रहे हैं। राज्य सरकार ने किसानों को अन्य उर्वरकों

करने का सुझाव

दिया है, जिस पर

जिला

[°] पंचायत

 सिमितियों में डीएपी की कमी, किसानों का जोरदार प्रदर्शन

सदस्य इंद्रजीत महाड़िक ने किसानों की लागत में प्रति एकड़ 55 प्रतिशत बोझ बढ़ने की बात कही है। कृषि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि रूस-यक्रेन युद्ध के चलते देश में डीएपी के आयात में 70 प्रतिशत तक गिरावट आई है। राज्य सरकार ने इस गंभीर संकट को देखते हुए केंद्र सरकार को पत्र लिखकर डीएपी की आपूर्ति बढाने का आग्रह किया है।

फिंगेश्वर क्षेत्र के चरौदा, बेलर और परसदाकला की सरकारी समितियों में पर्याप्त डीएपी खाद उपलब्ध नहीं है, जिससे किसानों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सहकारी समिति अधिकारियों ने डीएपी खाद की कमी को स्वीकारते हुए, डायमोनियम फास्फेट खाद की जगह पर एनपीके (नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटेशियम) खाद देने का सुझाव दिया है। चरौदा समिति में सैकड़ों किसानों ने डीएपी की आपूर्ति बहाल करने के लिए तीन दिन की मोहलत दी है। यदि व्यवस्था में सुधार नहीं होता है, तो उन्होंने समिति भवन





सहकारी बैंक और समिति को सूचित किया

है। चरौदा सहकारी समिति में डीएपी खाद

की किल्लत और किसानों की परेशानी कम

होने का नाम नहीं ले रही है। किसान खाद के

का भंडारण सुनिश्चित किया गया है। इन्हें डबल लॉक केंद्रों, प्राथमिक सहकारी कृषि साख समितियों और निजी क्षेत्र में भंडारित के सामने प्रदर्शन करने की लिखित सूचना दे लिए सोसायटी के चक्कर लगा रहे हैं, दी है। इस तैयारी में पूर्व सरपंच चरौदा मनोज जिससे उनकी फसलों पर असर पड रहा है। पटेल ने क्षेत्र भर के किसानों की हस्ताक्षर किसानों का आक्रोश और आरोप-सहमति का आवेदन तहसील, थाना, स्थानीय किसानों ने जिला पंचायत गरियाबंद

सदस्य क्षेत्र क्रमांक 3 इंद्रजीत महाडिक को

इस स्थिति की जानकारी दी। उनके नेतृत्व में

सरपंच चरौदा गजानंद साहू, उपसरपंच

सूरज पटेल, पूर्व सरपंच चरौदा मनोज

पटेल, अभयराम सिन्हा, डॉ. खेलन दिवान, चम्पेश्वर ध्रुवंशी, शारदाचरण, धनी, डंकु सिन्हा, भागवत सिन्हा, खेलावन पटेल, चेतन सिन्हा, छत्रपाल, मोहन साहू, मानसिंग पटेल सहित कई किसान समिति कार्यालय पहुंचे। उन्होंने समिति प्रबंधक हेमंत साहू से चर्चा की और तीन दिन में सुचारू व्यवस्था करने को कहा। इस 🔰 शोष पेज 12 पर

चालू खरीफ मौसम में ठोस डीएपी खाद की संभावित कमी की पूर्ति

के लिए मुख्यमंत्री विष्णु साय ने इस समस्या को गंभीरता से लिया है।

राज्य सरकार ने वैकल्पिक खादों की पर्याप्त व्यवस्था की है। इसी

कड़ी में तरल नैनो डीएपी एक प्रभावशाली विकल्प के रूप में सामने

आया है। इसके प्रयोग से किसानों को प्रति एकड धान की फसल में

लगभग ७५ रुपये का सीधा लाभ प्राप्त हो रहा है। राज्य शासन के

निर्देशानुसार, प्रदेश में इफको कंपनी द्वारा नैनो डीएपी की बोतलों

राजिम में हरेली पर्व

धूमधाम से मनाया

हरिभूमि न्यूज 🕪 राजिम

छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराओं को संजोते हुए, भारतीय जनता पार्टी मंडल राजिम के अध्यक्ष रिकेश साहू ने हरेली पर्व के अवसर पर पारंपरिक गेड़ी चढ़कर आमजन को शुभकामनाएं दीं। कृषि और ग्रामीण जीवन से जुड़ा यह प्रमुख त्यौहार, हरेली, पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। श्री साह ने नगरवासियों के बीच पहंचेकर परंपरागत अंदाज में उत्सव में भाग लिया। गेडी पर चढकर उन्होंने ग्रामीण खेलों का आनंद लिया और बच्चों को भी इस

सांस्कृतिक धरोहर से जुड़ने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर रिकेश साह ने कहा, हरेली पर्व छत्तीसगढ की मिट्टी, किसान और संस्कृति का प्रतीक है। हमें अपनी परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए इन्हें उत्साहपूर्वक मनाना चाहिए। भाजपा सदैव छत्तीसगढ की सांस्कृतिक पहचान को आगे बढ़ाने के लिए संकल्पबद्ध है। इस अवसर पर जितेंद्र पेंदरिया, लोकेश सोनी, युवराज साहू, आकाश राजपूत, बादल साहू, दुर्गेश धीवर, चंद्रशेखर सोनकर, दीपक देवगन, मुकेश साहू सहित कई युवा और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में बढ रहे वन्यजीवों के दर्शन



मैनपुर। उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के जंगलों में लगाए गए ट्रैप कैमरों से वन्यजीवों की गतिविधियों का खुलासा हो रहा है। इन कैमरों में लगातार कैद हो रहीं वन्यप्राणियों की तस्वीरें अखबारों और सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों तक पहुंच रही हैं। यह ज्ञात हो कि उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व का जंगल काफी घँना है। बारिश के साथ पर्याप्त हरा चारा और पानी मिलने से वन्यप्राणी स्वतंत्र रूप से विचरण करते दिख रहे हैं। इसके अलावा, टाइगर रिजर्व क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने में मिली कामयाबी और अवैध कटाई पर रोक लगने से अब वन्यप्राणियों का दिखना और भी आसान हो गया है। यह संकेत है कि वन विभाग के प्रयासों से वन्यजीवों के लिए एक बेहतर और सुरक्षित वातावरण बन रहा है।

शिव को जल चढ़ाने हरदीभाटा से रवाना हुआ कांवरिया दल



हरिभूमि न्यूज 🕪 मैनपुर

सावन के पवित्र महीने में भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए मैनपुर के हरदीभाठा से यवाओं का एक दल आज रवाना हुआ। यह दल सिहावा से जल लेकर पैरी उद्गम भाठीगढ़ पहुंचेगा और वहां भगवान शिव को जलाभिषेक करेगा। हरदीभाठा के कांवरिया श्रद्धालु पिछले 15 वर्षों से भगवान भोलेनाथ को जल अर्पित कर अपनी मनोकामनाएं पूरी कर रहे हैं।

साल है। हरदीभाठा से कांवर यात्रा में शामिल गजेंद्र यादव ने बताया कि /"जय शिवशंकर जय भोलेनाथ बोल बम समिति हरदीभाठा द्वारा लगातार 15 वर्षों से यह जलाभिषेक किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ग्राम सिहावा से जल लेकर पैरी उद्गम भाठीगढ़ में जलाभिषेक किया जाएगा। इस दौरान कांवरिया दल में प्रमुख रूप से मुकेश यादव, भूपेंद्र साहू, यशवंत साहू, गजेंद्र यादव, तुलसी नागेश, उमाशंकर साहू, दूधेश्वर

मरकाम, शीतल नागेश. धनराज नेताम, हरि यादव, छोटेलाल चक्रधारी, नेमीशरण, टोमेश्वर साहू, सेवन सोनवानी, मुकंद निर्मलकर, उमेंद्र सोनवानी, विक्रम ठाकुर, लोकेश्वर विश्वकर्मा, जतिन यादव, वेदांत बाम्बोडे, मनीष यादव, डोमेश्वर साहू, टिकेश्वर पटेल, कमलेश कश्यप और बड़ी संख्या में युवा शामिल हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य संजय नेताम ने सभी शिवभक्त कांवरियों और दल के सदस्यों को तिलक लगाकर

इस वर्ष उनकी यह यात्रा 15वां मरकाम, सागर यादव, हेमंत उनका स्वागत किया। कड़ी सुरक्षा के बीच बैटेंगे 1800 अभ्यर्थी

आबकारी आरक्षक परीक्षा २७ को

हरिभूमि न्यूज 🕪 राजिम

रविवार 27 जुलाई को पूरे छत्तीसगढ़ में आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा पूरे छत्तीसगढ़ में आयोजित

 परीक्षार्थियों को आधा बांह वाले कपड़े पहन के आने होंगे

होने जा रही है। राजिम शहर और शहर से जुड़े हुए ग्राम बरौंडा और धूमा में कुल मिलाकर सात परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। शासकीय राजीव लोचन

कॉलेज केंद्राध्यक्ष एमएल वर्मा, शासकीय राम बिशाल पांडेय सेजेस केन्द्राध्यक्ष संजय एक्का, कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला कृष्ण कुमार यदु, देवी संपत उच्चतर माध्यमिक शाला केंद्रध्यक्ष द्विज राम ध्रुव, सरस्वती शिशु मंदिर केंद्राध्यक्ष गोविंद राम चौधरी, हाई स्कूल बरोंडा केन्द्राध्यक्ष ललिता अग्रवाल, हायर सेकेंडरी स्कूल धुमा नियमों का कड़ाई से पालन करने और कराने के निर्देश

इस बार दो अतिरिक्त वीक्षक भी प्रदान किए गए हैं जिनमें से एक महिला एवं एक पुरुष होंगे। दिनांक २३ जुलाई को समन्वय केंद्र शासकीय महाविद्यालय गरियाबंद में सभी केंद्राध्यक्षों एवं ऑब्जर्वर की बीफिंग सेशन में नियमों का बहुत ही कड़ाई से पालन करने और कराने के निर्देश दिए गए हैं। अभ्यर्थियों को अपने साथ प्रवेश पत्र की दो प्रतियों के साथ अपना फोटो युक्त ओरिजिनल परिचय पत्र मतदाता परिचय पत्र, आधार

कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, अथवा पासपोर्ट अपने साथ लेकर आना होगा। बिना मूल परिचय पत्र के भी किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा कक्ष में प्रवेश पाना संभव नहीं होगा। नियमों के संबंध में व्यापम प्रशासन के कड़क रवैये को देखते हुए ऐसा प्रतीत हो रहा है कि कुछ अभ्यर्थी परीक्षा देने से वंचित भी हो सकते हैं क्योंकि किसी भी प्रकार के रियायत देने से स्पष्ट मना कर दिया गया है।

केन्द्राध्यक्ष वर्षा नेताम आदि केंद्रों में कुल 1800 परीक्षार्थी परीक्षा दिलाएंगे। बिलासपुर में पिछले बार सब इंजीनियर भर्ती परीक्षा के दौरान हाईटेक नकल करते हुए एक परीक्षार्थी और उसकी सहयोगी के पकड़ में आने के कारण इस बार नियम और सुरक्षा व्यवस्था बहुत ही कड़े कर दिए गए हैं। परीक्षा ठीक 11:00 बजे शुरू होगी लेकिन

आधा घंटा पहले अर्थात 10:30 बजे परीक्षा केंद्र में प्रवेश निषेध हो जाएगा। परीक्षार्थियों को हल्के रंग के आधा बांह वाले कपड़े पहन के आने होंगे। जुता-मोजा, टोपी, बेल्ट, पर्स, कान, नाक एवं गले का आभूषण मोबाइल यह सभी अनिवार्य रूप से परीक्षा हाल में प्रतिबंधित होंगे। इन वस्तुओं के साथ किसी >> शोष पेज 12 पर



बस स्टैण्ड से कृषि मंडी के बीच मार्ग, पर गंज रोड, नवापारा (राजिम) मो. 89621 - 75674



हरचरण साहनी ट्रांसपोर्ट चैंबर के प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत रायपुर। छत्तीसगढ चैंबर ऑफ कामर्स के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने टांसपोर्ट संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए चैंबर द्वारा ट्रांसपोर्ट चैंबर रायपुर का गठन किया है। उन्होंने हरचरण सिंह साहनी को ट्रांसपोर्ट चैंबर के

प्रदेश अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया है। श्री थौरानी ने हरचरण सिंह साहनी को बधाई देते हए कहा है कि वे प्रदेश के व्यापार एवं उद्योग के हित में कार्य करते हुए छत्तीसगढ़ चेम्बर को एक नई ऊंचाईयों पर लेकर जायेंगे। इस अवसर पर चैंबर के कार्यकारी अध्यक्ष -राधाकिशन सुन्दरानी, राजेश वासवानी. जसप्रीत सिंह सलजा, उपाध्यक्ष-जितेन्द्र शादीजा, दिलीप इसरानी, मुकेश अग्रवाल अध्यक्ष बरमकेला इकाई, पुरूषोत्तम अग्रवाल बरमकेला, रवि सचदेव, भोलानाथ सेठ एवं महिला चैबर अध्यक्ष श्रीमती डॉ. ईला गुप्ता एवं टीम प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

स्पॉट काउंसिलिंग के बाद ५५६ सीटें रिक्त

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विवि में बीएससी एग्रीकल्चर की रिक्त सीटों के लिए ऑनस्पॉट काउंसिलिंग बुधवार को समाप्त हो गई। 2015 सीटों में से 1459 सीटों पर दाखिले पूर्ण हो गए हैं, जबिक 556 सीटें अब भी रिक्त हैं। इन्हें भरने की प्रक्रिया 25 जुलाई से प्रारंभ होगी। खाली रह गई सीटों के लिए पीएटी की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है। 12वीं उत्तीर्ण छात्र भी आवेदन के लिए पात्र होंगे।

बीएड के परिणाम ९६%

रायपुर। पं.रविशंकर शुक्ल विवि द्वारा बीएड चतुर्थ वर्ष के परिणाम बुधवार को जारी कर दिए गए हैं। परीक्षा में 3959 छात्र शामिल हए थे। इनमें से 96.36% ने परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। एमए संस्कृत चतुर्थ सेमेस्टर के परिणाम 90%, एमए क्लासिक प्राच्य संस्कृत चतुर्थ सेमेस्टर के परिणाम 78.57% तथा द्वितीय सेमेस्टर के परिणाम 87.5% रहे हैं।

स्कूल शिक्षा विमाग के १२२७ व्याख्याताओं का प्रमोशन, आदेश जारी

रायपुर। स्कूल शिक्षा विभाग में विभिन्न विषयों के 1227 व्याख्याता (टी संवर्ग) को पदोन्नति का लाभ मिला है। स्कुल शिक्षा विभाग द्वारा बुधवार को इसका आदेश जारी कर दिया है। इन व्याख्याताओं की पदस्थापना काउंसिलिंग के माध्यम से की जाएगी। इन विषयों में हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, गणित, भौतिक, रसायन, जीवविज्ञान, राजनीति शास्त्र, इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र और वाणिज्य जैसे मुख्य विषय शामिल हैं। विगत एक वर्ष में स्कुल शिक्षा विभाग द्वारा जिला एवं संभाग स्तर पर लगभग ७ हजार पदों पर पदोन्नति की कार्यवाही संपन्न की गई है। इसके साथ ही, 2621 सहायक शिक्षक (विज्ञान प्रयोगशाला) की सीधी भर्ती काउंसिलिंग के माध्यम से की गई, जिससे स्कूलों में प्रयोगात्मक शिक्षा को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके। इसके पर्व लगभग 2900 प्राचार्यों के पदोन्नति आदेश भी जारी किए

जा चुके हैं।

अनोखा प्रकरण : दूसरे परिवार के साथ रह रही बेटी, मां ने लगाया गंभीर आरोप

हरिभूमि न्यूज 🕪 रायपुर

छत्तीसगढ राज्य महिला आयोग में एक अनोखा प्रकरण आया, जिसमें एक बालिग लडकी अपनी मां का घर छोड़कर दूसरे परिवार में एक दंपित के साथ रहने चली गई। इसे लेकर लड़की की मां ने आरोप लगाए हैं कि दंपति उसकी बेटी को समलैंगिक है, कहकर अफवाह फैला रहे हैं. साथ ही उसके घर पहले भी कई लड़िकयों को आते देखा है, जो गायब हो गई हैं। आयोग ने इस मामले को मानव तस्करी से जुड़ा होने की आशंका जताते हुए गोलबाजार पुलिस को छानबीन कर 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं।



मां के घर जाने तैयार नहीं हुई बेटी, भेजा गया सखी केंद्र

आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक सहित अन्य सदस्यों की उपस्थित में बुधवार को आयोग के रायपुर कार्यालय में महिला उत्पीडन से संबंधित प्रकरणों पर सुनवाई हुई। इस सुनवाई में रायपुर की सहूँ निवासी एक महिला ने शिकायत की है कि उसकी 22 वर्षीय बेटी को बहला-फ़ुसलाकर एक दंपति ने अपने घर पर रख लिया है तथा जब भी वह बेटी से मिलने जाती है, तो उससे मिलने नहीं दिया जाता। महिला ने ढंपति पर यह भी आरोप लगाए हैं कि वे ढोने उसकी बेटी को समलैंगिक होने की अफवाह फैला रहे हैं तथा कई बार उसके घर में हर 6-7 महीने में एक लड़की को आते देखा है, लेकिन

उन्होंने आशंका जताई कि दंपति मानव तस्करी से भी जुड़े हो सकते हैं। इस सुनवाई के दौरान आयोग ने पहले महिला की बेटी को अपने घर लौटने के लिए कहा, लेकिन वह नहीं मानी। आयोग ने जब उसकी बेटी से कहा कि अगर वह घर नहीं जाएगी, तो उसे सखी केंद्र भेजा जाएगा। युवती ने कहा कि वह सखी केंद्र जाने के लिए तैयार है, लेकिन अपनी मां के घर नहीं लौटेगी। इसके बाद आयोग ने युवती को सखी केंद्र भेजा, वहीं इस मामले की गंभीरता को देखते हुए गोलबाजार पुलिस को इस पूरे मामले की छानबीन करने के निर्देश दिए। इसके तहत आयोग ने पुलिस को 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट

ससुराल वाले ५० किलो चांदी देने के साथ करेंगे दुकान की व्यवस्था

आयोग में एक अन्य प्रकरण में एक महिला ने ससुराल वालों पर आरोप लगाया है कि उसके पति की मृत्युं के बाद उनके द्वारा कोई सहयोग नहीं किया जा रहा है, जिससे उसे अपने दो बच्चों के पालन-पोषण में दिक्कत आ रही है जबिक उसके पति की ज्वेलर्स की दुकान थी, जिसमें रखे सोने-चांदी पर ससुराल वालों ने कब्जा कर लिया है। आयोग ने इस मामले में ससुराल वालों का पक्ष जाना, जिसके बाद वे सुलहनामा के लिए राजी हो गए। आयोग ने इसके बाद ससुराल वालों को निर्देश दिए कि वह आवेदिका को 10 किलो चांदी एवं एक दुकान की व्यवस्था कराएंगे, ताकि वह स्वयं व्यापार कर अपना और बच्चों का पालन-पोषण कर सके। आयोग के इस फैसले पर आवेदिका और अनावेदक प्रश्न दोनों ने सहस्रति जवाई

स्वच्छता कर्मचारियों के सम्मान समारोह में नगरीय प्रशासन मंत्री हुए शामिल

जनभागीदारी से स्वच्छता आंदोलन को मिलेगी मजबूती : अरुण साव

हरिभूमि न्यूज 🕪 रायपुर

नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने कहा है. जनभागीदारी से ही स्वच्छता आंदोलन को मजबूती मिलेगी। रायपुर को नंबर वन बनाने सफाई के कार्यों में जन सहभागिता बढानी होगी। स्वच्छता केवल निगम की नहीं, हम सभी की जिम्मेदारी है।

शहीद सभागार में सफाई मित्रों और स्वच्छता दीदियों को किया सम्मानित

बुधवार को शहीद स्मारक सभागार में नगर निगम की ओर से आयोजित स्वच्छता कर्मचारियों के सम्मान समारोह में श्री साव ने इस आशय के उद्गार व्यक्त किये। रायपुर को देश का

चौथा स्वच्छ शहर बनाने में योगदान के लिए उप मुख्यमंत्री ने स्वच्छता दीदियों और सफाई कर्मियों को मंच सम्मानित किया।

बुधवार को रायपुर नगर निगम द्वारा 25 स्वच्छता निरीक्षकों, 144 स्वच्छता दीदियों और 52 सफाई मित्रों के सम्मान में गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा राायपुर शहर के एक-एक व्यक्ति, एक-एक परिवार को इस मिशन से जोड़ना होगा, तभी



रक्षाबंधन पर स्वच्छता दीदियों को मिलेगा १ हजार रूपये बोनस निगम सभापति सर्यकांत राठौर ने स्वच्छता दीदियों को रक्षाबंधन के दिन 1 हजार रुपये देने की घोषणा की है। सफाई कर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आप लोग शहर को साफ और सुंदर बनाने के लिए धूप, बरसात और ठंड में भी अपने कार्यों को अंजाम देते हैं। आप लोगों की मेहनत से हमें नई दिल्ली में सम्मानित होने का मौका मिला है। कोरोना महामारी के

सकेंगे।सफाई मित्र और स्वच्छता दीदियों की हौसला अफजाई करते हुए उन्होंने कहा कि केन्द्रीय स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में रायपुर शहर को 10 लाख से अधिक आबादी वाले मिलेनियम प्लस सिटी की श्रेणी में में देश का चौथा सबसे स्वच्छ शहर 📑 ने सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए

हम रायपुर को देश का स्वच्छतम शहर बना की रैंकिंग मिला है। इस उपलब्धि में स्वच्छता दीदियों और सफाई मित्रों का सिक्रय योगदान है। इसी तरह शहर को गारबेज फ्री सिटी और सेवन स्टार रैकिंग के साथ वाटर प्लस सर्टिफिकेशन मिलना गौरव की बात है। उप मुख्यमंत्री अरुण साव

कहा कि केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय के स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में रायपुर सहित प्रदेश के सात शहरों को स्वच्छता के लिए उत्कृष्ट कार्यों हेत् राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। स्वच्छ सर्वेक्षण में शामिल राज्य के 169 शहरों में से 115 शहरों ने अपनी रैंकिंग सधारी है। छत्तीसगढ की इस उपलब्धि में स्वच्छता दीदियों और सफाई मित्रों का अमुल्य योगदान है, जिसके लिए वे अभिनंदन के पात्र हैं।

महापौर मीनल चौबे ने समारोह में कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण में रायपुर शहर को जो उपलब्धियां हासिल हुई हैं, उसकी नींव की पत्थर हमारी स्वच्छता दीदियां और सफाई मित्र ही हैं। स्वच्छता सेवा और समर्पण का काम है जिसे ये पूर्ण मनोयोग से कर रही हैं। आने वाले समय में रायपुर को देश का सबसे साफ-सुथरा शहर बनाने के लिए हम सभी गंभीरता और सक्रियता से काम करेंगे।

निगम के स्वास्थ्य विभाग की अध्यक्ष गायत्री चन्द्राकर और आयुक्त विश्वदीप ने भी समारोह को संबोधित किया। इस मौके पर अपर आयुक्त यू.एस. अग्रवाल, विनोद पाण्डेय और स्वास्थ्य अधिकारी प्रीति सिंह सहित सभी जोनों के अध्यक्ष, एमआईसी सदस्य, पार्षदगण, अधिकारी-कर्मचारी और सफाई कर्मी बडी संख्या में समारोह में मौजूद रहे।

मैनपुर में धूमधाम से मना हरेली, कृषि औजारों का पूजन और गेड़ी का उत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶े मैनपुर

तहसील मुख्यालय मैनपुर नगर सहित ग्रामीण अंचल में छत्तीसगढ़ का पारंपरिक त्योहार हरेली बडे उत्साह और धमधाम के साथ मनाया गया। यह त्योहार मुलतः किसानों का है, और हरेली के दिन किसानों ने अपने कृषि यंत्रों को धो-पोंछकर पूजा की और अच्छी फसल की पैदावार के लिए देवी-देवताओं से कामना की। सावन में जल जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए गाँव के देवी-देवताओं की पजा-अर्चना कर उनसे निवेदन किया गया, और गेडी चलाकर उत्सव मनाया गया। यह वर्ष का प्रथम त्योहार है, जो हरियाली एवं खुशी का प्रतीक है। ग्रामीण अंचलों में हरेली के पर्व पर घरों के बाहर गोबर से विभिन्न आकृतियाँ बनाई जाती हैं। इसके पीछे मान्यता है कि इससे जादू-टोना का असर नहीं होता और परिवार के सदस्य सुरक्षित रहते हैं।

धार्मिक परंपराओं के अनुसार, हरेली अमावस्या के दिन गाँव के झाँकर, पुजारी और रावत घर-घर जाकर भेलवा का डगांल घर के ओर्छा (छज्जे) में लगाते हैं। हरेली त्यौहार का परंपरागत शुभारंभ दिन के निकलने के साथ ही शरू हो जाता है। सुबह पशु पालक किसान धान लेकर गाँव के झाँकर व चरवाहे



मवेशियों को निरोगी होने के लिए खिलाते हैं। इस दिन किसान अपने कृषि यंत्रों की साफ-सफाई कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते हैं और **चावल के आटे से बनी चीला रोटी का भोग लगाते हैं। किसान भेलवां का डगांल लेकर खेतों में पुजा-अर्चना करते हैं. जिससे उनका मानना है कि खेतों में किसी प्रकार के कीट-व्याधियों का प्रकोप नहीं रहता। वहीं, घरों में चावल के आटे का चीला बनाकर इसका भगवान को भोग लगाया जाता है। पशुओं को गेहूँ के आटे की बनी लोई खिलाई जाती है और चरवाहे दशमुल तथा अन्य औषधीय फल प्रसाद के रूप में किसानों को देते हैं, ताकि वे अपने मवेशियों को खिला सकें, क्योंकि यह औषधि बहुत गुणकारी मानी जाती है।

बालक छात्रावास में किया गया पौधारोपण

कठिन समय में भी आपने ने सराहनीय काम किया है।

हरिभूमि न्यूज 🕪 रसेला

हरेली त्योहार के पावन अवसर पर, पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्री मैट्रिक आदिवासी बालक छात्रावास परिसर को हरा-भरा बनाने के लिए पीधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जनपद सदस्य सखराम ठाकर (सभापति, जनपद छरा), ग्राम प्रमख डी आर यादव, ग्राम पटेल लोकराम यादव, डॉ. चिराग अली, उपसरपंच परमेश्वर यादव, मलेवा अंचल भाजपा मंडल के अध्यक्ष शिवशंकर जायसवाल, वनोपज समिति रसेला के अध्यक्ष भाव सिंह मरकाम, छात्रावास के अधीक्षक शत्रता कुंजाम और भूषण साहू प्रमुख रूप से मौजद रहे। पौधारोपण कार्यक्रम की शुरुआत पौधे की विधिवत पुजा-अर्चना और श्रीफल फोड़कर की गई। जनपद सदस्य ठाकुर ने पौधा लगाकर कार्यक्रम का शभारंभ करते हुए कहा कि प्रकृति के संरक्षण में यह एक महत्वपूर्ण और रचनात्मक कार्य है। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से कम से कम एक पौधा लगाने का संकल्प लेने का

घर में अधिक से अधिक मनगा के पौधे लगाएं- ग्राम पटेल लोकराम यादव और ग्राम प्रमुख डी आर यादव ने एनीमिया से मुक्ति के लिए मुनगा (सहजन) के सेवन को प्रोत्साहित करने और हर घर में अधिक से अधिक मनगा के पौधे लगाने



के लिए लोगों को प्रेरित करने की बात कही। डॉ. चिराग अली और उपसरपंच परमेश्वर यादव ने आम का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि वृक्ष केवल छाया और फल ही नहीं देते, बल्कि वे हमारे जीवन के लिए प्राणवाय, वर्षा और जैव विविधता के पोषण का स्रोत भी हैं। इसी कड़ी में भाजपा मंडल अध्यक्ष शिवशंकर जायसवाल और वनोपज समिति अध्यक्ष भाव सिंह मरकाम ने बताया कि आज जिस तरह से पर्यावरण संकट गहराता जा रहा है, ऐसे में वक्षारोपण न सिर्फ एक परंपरा, बल्कि एक सामाजिक जिम्मेदारी बन गई है। अधीक्षक कंजाम ने लोगों से आह्वान किया कि वे अपने माता-पिता, गुरु और स्नेहीजनों के नाम पर पौधारोपण करें और उनका संरक्षण भी सुनिश्चित करें। पौधारोपण कार्यक्रम में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पौधों की देखभाल करने का संकल्प लिया। कछ छात्रों को गमलों में पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की जिम्मेदारी भी दी गई है, ताकि वे पर्यावरण के प्रति अधिक जागरूक हो सकें। यह पहल छात्रों को न केवल पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाती है, बल्कि उन्हें प्रकृति के करीब लाने में भी मदद करती है। इस मौके पर आम. नींब. कटहल, आंवला, मुनगा, जामुन और अमरूद सहित फलदार और वृक्षदार पौधों का रोपण किया गया। सभी से अपील की गई कि वे अपनी सुविधा अनुसार खेत, बाडी और अन्य खाली जगहों पर भी पौधारोपण करें। इस अवसर पर भूषण साह. छात्रावास के कर्मचारी युनेश्वर सिन्हों, खुमान निषाद, तिलेश्वर मरकाम, रेखराम ठाकुर, गजानंद सेन सहित छात्रावास के सभी छात्र-छात्राएं

चारों तरफ छाई हरियाली...



मैनपुर। वनांचल क्षेत्र के दूरस्थ ग्राम गोबरा से ली गई यह तस्वीर पहाड़ी क्षेत्र में बारिश के साथ छाई हुई चारों ओर की हरियाली को दर्शाती है। यह मनमोहक दृश्य लोगों का मन मोह रहा है, जहाँ प्रकृति अपने पूरे सौंदर्य में खिल उठी है।

मैनपुर सरपंच हनीता नायक के प्रयासों की सराहना

तालाब में पानी भरने पंचायत ने नहर नाली का निर्माण किया प्रारंभ

तहसील मुख्यालय मैनपुर के एकमात्र निस्तारी तालाब, जो जनवरी माह में सुखकर मैदान में बदल जाता है और बारिश के दिनों में भी केवल 5% ही भर पाता है, को लेकर अब ठोस कार्य किया जा रहा है। ग्राम पंचायत मैनपुर की सरपंच हनीता नायक के नेतत्व में तालाब में निस्तारी जल उपलब्ध कराने के लिए बनाई गई कार्ययोजना की मैनपर नगर सहित क्षेत्रवासियों द्वारा काफी सराहना की जा रही है। उम्मीद है कि इससे मैनपुर नगर में निस्तारी जल की समस्या का समाधान हो पाएगा। गौरतलब है कि हरिभूमि अखबार ने 12 जुलाई 2025 को इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। इसके बाद ग्राम पंचायत मैनपुर द्वारा स्टॉप डेम से लेकर तालाब तक नहर नाली का निर्माण कर पानी भरने का विशेष कार्य किया जा रहा है। मैनपुर नगर की आबादी लगभग



10 हजार है और निस्तारी के लिए यहाँ दो तालाब हैं - एक छिंद तालाब और दूसरा नया तालाब। नया तालाब वर्षों से नगर के लोगों के निस्तारी का मख्य स्रोत रहा है। इस तालाब में पानी भरने के लिए लगभग 22 से 25 वर्ष पहले सिंचाई विभाग द्वारा मैनपुर स्टॉप डेम से लेकर तालाब तक नहर नाली का निर्माण किया गया था। हालाँकि, धीरे-धीरे यह नहर नाली पट गई और मुख्य मार्ग की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण पानी तालाब तक नहीं पहँच पा रहा था। नगर के लोगों ने कई बार सिंचाई विभाग के अधिकारियों से नहर नाली की सफाई की मांग की, लेकिन कोई ध्यान नहीं



दिया गया। इस समस्या को देखते हुए, ग्राम पंचायत मैनपर की सरपंच श्रीमती हनीता नायक के नेतत्व में पंचों द्वारा एक कार्ययोजना तैयार की गई। ग्राम पंचायत के माध्यम से पिछले एक सप्ताह से नहर नाली की सफाई और नई पाइपलाइन डालने का कार्य किया जा रहा है, जो अब पूर्णता की ओर है। जल्द ही स्टॉप डेम में पानी के बहाव को रोककर तालाब में पानी भरा जाएगा, जिससे मैनपुर नगर के लोगों को आसानी से निस्तारी की सुविधा मिल पाएगी। ग्राम पंचायत इस दिशा में लगातार कार्य कर रही है।

ग्राम पंचायत का विकास पहली प्राथमिकता : हनीता

ग्राम पंचायत मैनपुर की सरपंच हनीता नायक ने बताया कि सिंचाई विभाग से कई बार नहर

नाली की मरम्मत की मांग कर वे थक चुके थे। अब ग्राम पंचायत द्वारा नगर की समस्या को देखते हुए नहर नाली की सफाई कर नर्ड पाइपलाइन लगाकर तालाब में पानी भरने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सिंचाई विभाग को चाहिए कि नहर नाली का स्थायी रूप से पिचिंग कार्य करे, जिससे हर वर्ष इस समस्या का आसानी से समाधान हो सके। सरपंच श्रीमती नायक ने जोर देकर कहा कि मैनपुर का विकास उनकी पहली प्राथमिकता है और नगर के लोगों ने उन्हें इसी उम्मीद के साथ सरपंच बनाया है।



पेज ११ के शेष... सोसायटी को दिया जाता था और

महज 20% खुले बाजार में, लेकिन

डीएपी खाद की...

दौरान नारेबाजी भी हुई और कहा गया कि यदि आपूर्ति बाधित हुई तो प्रदर्शन कर मांग की जाएगी।

इंद्रजीत महाडिक का कहना है कि डीएपी खाद की कमी से धान के उत्पादन पर भी गहरा असर पड़ सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि सोसायटी में खाद नहीं है, लेकिन खुले बाजार में आसानी से डीएपी खाद मिल रहा है, जिससे व्यापारी जमकर कालाबाजारी कर रहे हैं। इस पर किसानों ने सवाल उठाए हैं।

हालांकि, समिति प्रबंधक हेमंत साहू और अन्य कर्मचारियों के अलग दावे हैं। उनका कहना है कि समिति में डीएपी खाद आ रहा है और किसानों की खेती-किसानी पर असर न पड़े, इसलिए सभी किसानों को फिलहाल किस्तों में बांटा जा रहा है, आने पर दोबारा दिया जाएगा और काम नहीं अटकेगा। उन्होंने बताया कि पिछले साल 3600 बोरी डीएपी वितरित किया गया था, वहीं इस साल 1800 बोरी डीएपी आ गया है। समिति अध्यक्ष इतवारी सिन्हा ने कहा कि अभी 2000 बोरी डीएपी और 2500 बोरी युरिया की मांग रखी गई है। इंद्रजीत महाडिक ने आरोप लगाया कि चरौदा, बेलर और परसदाकला की वास्तविक स्थिति सोसायटी में कुछ और है। उन्होंने कहा कि पहले 80% खाद

इस सरकार में उल्टा हो रहा है और यह भाजपा सरकार बहाने बना रही है। फिंगेश्वर सहकारी बैंक के मैनेजर शेषनारायण पांडे पर चरौदा समिति को नियमित और औसतन कम खाद की डिलीवरी करने का आरोप लग रहा है, जिससे किसानों में आक्रोश है।

महिलाओं ने उपवास...

पावन अवसर पर घर-घर में मिट्टी के शिवलिंग बनाकर भगवान शिव का विधिपूर्वक पूजन एवं अभिषेक किया गया। महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में दिनभर उपवास रखा और स्वयं मिट्टी के शिवलिंग तैयार किए। उन्होंने पूजन की थाली सजाकर शाम को टीवी और यूट्यूब के माध्यम से प्रसारित हो रहे लाइव पूजन कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन कर रहे पंडित जी ने एक दिन पहले ही पूजन सामग्री की सूची जारी कर दी थी, जिससे भक्तों ने पूरी तैयारी कर ली थी। पूजन में जल, दूध, दही, शहद, घी, गंगाजल, बेलपत्र, चंदन, भस्म, पुष्प और अक्षत आदि का उपयोग हुआ। शाम सात बजे शुरू हुए इस आयोजन में हजारों श्रद्धालुओं ने एक साथ भाग लिया। कई घरों में पति-पत्नी ने मिलकर शिवलिंग का जोडे से अभिषेक किया। बच्चों ने भी पूरे उत्साह से

भागीदारी निभाई, जिससे यह आयोजन पारिवारिक एकता और धार्मिक आस्था का प्रतीक बन गया। पजन के बाद आरती की स्वर लहरियों और शंखध्वनि से वातावरण पुरी तरह शिवमय हो गया। पूजा संपन्न होने के पश्चात भक्तों ने शिवलिंग का विसर्जन बहते जल में कर श्रावण शिवरात्रि का समापन किया। यह आयोजन न केवल परंपराओं का संवाहक रहा, बल्कि तकनीक के माध्यम से घर बैठे ईश्वर उपासना की एक प्रेरणादायक मिसाल भी बना। श्रद्धा और आधुनिकता का यह सुंदर संगम लोगों की स्मृति में लंबे समय तक जीवंत रहेगा।

आबकारी आरक्षक...

भी परिस्थिति में परीक्षा हाल में घुसने नहीं दिया जाएगा। परीक्षार्थियों की सुरक्षा जांच परिसर के मुख्य गेट से ही प्रारंभ हो जाएगी। परीक्षा केंद्र परिसर में परिजनों को घसने नहीं दिया जाएगा। परीक्षा हॉल में पहंचने के पहले अभ्यर्थियों की फ्रीस्किंग की जाएगी। फ्रीस्किंग के लिए दो पुलिस कर्मियों की अलग से व्यवस्था की गई है। परीक्षा केंद्रों मैं जैमर लगाए जा रहे हैं इससे परिसर के अंदर किसी का भी मोबाइल फोन काम करना बंद कर देगा। यहां तक की केंद्राध्यक्ष का भी मोबाइल केंद्र परिसर के अंदर काम नहीं कर पाएगा।



मिडिल स्कूल प्रधानपाटक पद पर शीघ्र पदोन्नत करने की मांग

राजिम। छत्तीसगढ शिक्षक संघ संभाग इकाई रायपर के प्रतिनिधि मंडल ने संयुक्त संचालक रायपुर संजीव श्रीवास्तव से मुलाकात कर प्रधानपाठक मिडिल स्कूल के पद पर पदोन्नति करने की मांग की। संभागीय अध्यक्ष रामनारायण मिश्रा ने चर्चा के दौरान कहा कि प्रधानपाठक मिडिल स्कल के पद रिक्त होने की वजह से शिक्षा के गुणवत्ता में व्यापक असर पड रहा हैं, जबिक पदोन्नति योग्य शिक्षक उपलब्ध है, अतः प्रधान पाठक मिडिल स्कूल पद पर शीघ्र पदोन्नित किया जावे, साथ ही साथ सेवानिवृत शिक्षकों के ना मांग ना जांच प्रमाण पत्र अविलंब जारी किया जाना चाहिए। इस विषय पर संयुक्त संचालक द्वारा शीघ्र ही शिक्षक से प्रधानपाठक मिडिल स्कूल पद पर पदोन्नति की कार्यवाही करने की बात कही। तथा जितने भी ना मांग ना जांच प्रकरण इस कार्यालय में प्रस्तृत होगा, उसे समय सीमा के अंदर निराकरण कर जारी कर किया जाएगा। भेट वार्ता में प्रमुख रूप से छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ संभाग के संभागीय अध्यक्ष रामनारायण मिश्रा ,संगठन मंत्री सुनील नायक, धरसीवां संगठन मंत्री अवध वर्मा, संभागीय कोषाध्यक्ष गोविंद सोनी, आत्माराम साहू, राजेंद्र नाग मौजूद थे। ग्रामीण क्षेत्र में हर्षोल्लास

के साथ मनाया गया लोक पर्व हरेली



नर्रा। ग्रामीण क्षेत्र में सावन माह के अमावस्या को छग के परपंरिक लोक पर्व हरेली 24 जुलाई गुरुवार को हर्षील्लास के साथ मनाया गया। इस दिन खेती किसानी कार्य में उपयोग कृषि औजारों में ट्रैक्टर, नांगर, फावड़ा, गैती, कुदारी, बसुला, आरी कुल्हाड़ी इत्यादि का साफ सफाई कर विधिवत पूजन अर्चना कर चंदन-बंदन का टीका व चावल आटे से बने चीला का भोग कर अच्छी फसल की कामना की गई। यह पर्व खेती किसानी से जुड़ा हआ है। बताया जाता है कि धान बुआई से लेकर रोपा बियासी सावन माह में खेत खलिहान में हरियाली छा जाती है। इस पर्व पर फसल यानी खेत, बाड़ी व घरों के मुख्य दरवाजे पर भेलवा के डहनिया लगाई जाती है और मवेशियों को को आरंडी पान और नमक के अलावा गेहूं आटे से बने लोंदी खिलाने की परपंरा है। गांव के बैगाओं द्वारा प्रत्येक घरों के मुख्य दरवाजे पर नीम की टहिनयां लगाई जाती है। इसके बदले में ग्रामीण चावल रुपए पैसे देकर विदाई करते है। चरवाहों ने जंगली जड़ी बूटी में बनगोंदली दशमूल कांदा कदई वितरण किया। वहीं लोहार द्वारा घरों के मख्य दरवाजे पर पर कील ठोकने की परंपरा आज भी कायम है। छोटे छोटे बच्चे बांस से बने गेंडी का आनंद भी लेते है। इस अवसर पर घरों में पकवान बनाकर पूरे परिवार के साथ ग्रहण किया और

पर्व : विभिन्न स्थानों पर झूला, बिल्लस, खो-खो, फुगड़ी और गेड़ी दौड़ प्रतियोगिता हुई

अंचल में धूमधाम से मनाया गया हरेली त्योहार

हरिभूमि न्यूज 🕪 मुड़ागांव (कोरासी)

अंचल के गांवों में छत्तीसगढ़ का पहला त्यौहार हरेली. गरुवार को बड़े धूमधाम से मनाया गया। ग्रामीण इलाकों में इस त्यौहार का विशेष महत्व है, जो छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति और परंपरा को दर्शाता है। छत्तीसगढ़ में इस पर्व से त्योहारों का सिलसिला शुरू हो जाता है, जहाँ हर महीने या पखवाड़े में कोई न कोई त्यौहार मनाया जाता है। कृषि प्रधान प्रदेश होने के कारण, यहाँ के त्यौहार प्रकृति के करीब होते हैं। इन्हीं में से एक है हरेली, जिसे हम हरियाली अमावस्या के नाम से भी जानते हैं।

हरेली के समय धरती परी तरह से हरियाली से आच्छादित हो जाती है, ऐसा लगता है मानो धरती ने हरी चादर ओढ ली हो। हरेली हरियाली का ही प्रतीक है और यह त्यौहार प्रकृति को समर्पित है। यह वह समय होता है जब किसान खेती का पहला चरण पूरा कर लेते हैं। इसी खुशी में किसान भाई-बहन इस त्यौहार को हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं।

प्रदेश का पहला त्योहार हरेली- छत्तीसगढ़ का यह पहला त्यौहार है, जिसे हरियाली अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। यह छत्तीसगढ का लोक पर्व है, जिसे खेती-किसानी का प्रतीक माना जाता है। इस दिन खेती-किसानी में उपयोग होने वाले औजारों की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है। साथ ही, अपनी गाय, बैल और बछड़ों को नहलाया जाता है। इसके अलावा, पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजन भी बनाए जाते हैं। कृषि औजारों और व्यंजनों का महत्व- हरेली तिहार के दिन औजारों की पूजा करने के साथ ही, किसान खेत में चीला चढ़ाकर पूजा करते हैं और अच्छी फसल की कामना करते हैं। इस दिन घरों में छत्तीसगढ़ी व्यंजन जैसे गुलगुल भजिया और चीला बनाए जाते हैं। लोग एक-दूसरे को खाने का न्योता देकर



उत्साह के साथ मिल-जुलकर त्यौहार मनाते हैं। इस दिन फसलों को कीटों से बचाने के लिए खेतों में नीम की डाली लगाई जाती है। वहीं, दुकानों और घरों पर भी नीम की डाली लगाई जाती है। गेडी चढने की परंपरा- छत्तीसगढ के ग्रामीण क्षेत्रों में हरेली तिहार के दिन गेडी चलाने की परंपरा है, जिसके बिना हरेली तिहार अधूरा माना जाता है। बच्चे बांस की गेड़ी बनाकर उस पर चढ़ते हैं। गेड़ी एक जोड़ी होती है जिसमें पैर रखने के लिए बांस के दोनों ओर बराबर लकड़ी लगाई जाती है। इस लकड़ी पर पैर रखने से 'मच-मच' की आवाज आती है। गेड़ी के अलावा, इस दिन कई जगहों पर झूला, बिल्लस, खो-खो, फुगड़ी और गेड़ी

वनांचल में हरेली पर शुरू हुआ पौधारोपण अभियान

मैनपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में बड़े धूम-धाम से हरियाली त्यौहार का उत्सव मनाया जाता है। इसी प्रक्रिया में मैनपुर वनांचल क्षेत्र के सामुदायिक वन संसाधन प्राप्त ग्राम सभा अपने जंगल का संरक्षण, संवर्धन और प्रबंधन को मजबूत करते हुए हरियाली के पावन पर्व पर पौधा रोपण कार्यक्रम चला रहे है। जिसमें ग्राम सभा सदस्य आम, जामुन, नीम, बांस, महुआ, अर्जुन, बेल, इमली, आंवला, आम, के पौधो का नर्सरी तैयार किया गया है। और इस पौधा रोपण कार्यकम को हरियाली से लेकर 15 अगस्त स्वतन्त्रता दिवस तक पौधा रोपण कार्यकम किया जायेगा। जिसमें ग्राम सभा कोयबा, नागेश, करलाझर, उदंती, जिडार, छुइहा, लेडि़बहार, अच्छाछेड़का, कामेपुर, महाडुला कामेपार, ग्राम सभा द्वारा पौधा रोपण कार्यकम किया गया, जिसमें खोज एवं जन जागृति समिति जयंती नगर मैनपुर संस्था द्वारा इस नर्सरी से लेकर पौधा रोपण और सीडबाल जैसे प्रक्रियाओं में ग्राम सभा को सत्त मार्गदर्शन

कुल्हाड़ीघाट बालक आश्रम में मनाया गया हरेली पर्व

बच्चों ने गेड़ी का उठाया आनंद



मैनपुर। तहसील मुख्यालय मैनपुर से 18 किलोमीटर दूर स्थित राजीव गोद ग्राम कुल्हाडीघाट के आदिवासी बालक आश्रम में आज हरेली त्यौहार के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों ने पारंपरिक गेडी का खब आनंद लिया। आश्रम के अधीक्षक सुकराम नागेश के नेतृत्व में परिसर में पौधा रोपण भी किया गया, जो पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश देता है। यह आयोजन बच्चों के बीच छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति और प्रकृति से जुड़ाव को

हरेली पर्व पर बच्चों ने गेड़ी का लिया आनंद

हरिभूमि न्यूज 🕪 फिंगेश्वर

नगर सहित अगिश्वर अंचल में हरेली पर्व इस वर्ष भी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। किसानों ने अपने पशुधन की पूजा-अर्चना कर उन्हें चीला रोटी का भोग लगाया, वहीं बच्चों और बड़ों ने पारंपरिक गेड़ी का खूब आनंद लिया। इसी कड़ी में, बकली ग्राम पंचायत में ग्रामीण किसान सुबह उठकर अपने खेतों में बेलवा और नीम के डाल लगाए। इसके बाद, वे गौठान जाकर गाय-बैल को खम्हार पत्ता से नमक व गेहूं की लोई खिलाई। इसके लिए किसान अपने-अपने घरों से थाली में दाल-



चावल लेकर गौठान पहुँचे, जहाँ चरवाहों ने जंगली जड़ी-बूटी और कंदमूल को दवाई के रूप में पशुओं को ग्रहण कराया। बुजुर्गों का कहना है कि यह जंगली जड़ी-बूटी और कंदमूल औषधि का कार्य करते हैं, और इन्हें साल में एक बार हरेली पर्व पर खाने से शरीर की कई बीमारियाँ दुर होती हैं। इसके अतिरिक्त, किसानों ने अपने कृषि औजारों जैसे रापा, कुदाली, और हल आदि को धोकर उनकी पुजा-अर्चना की और नारियल व चीला रोटी का भोग लगाया। इस पर्व पर बच्चे, जवान, सभी ने गेड़ी का भी आनंद लिया, जिससे त्यौहार का उत्साह और

बकली में हरेली धुमधाम से मनाया गया

राजिम। बकली में हरेली त्यौहार के अवसर पर किसान सुबह उठकर अपने खेतों में बेलवा डारा तथा नीम के डारा खोचें और गौठान में जाकर गाय बैल को खम्हार पत्ता से नमक व गेहूं की लोई खिलाएं। इसके लिए किसान अपने-अपने घर से 📗 थाली में दाल, चावल लेकर गौठान जाकर यादव द्वारा जंगली जडी बटी कंदमल दवाई के रूप में ग्रहण करते हैं जो जंगली जड़ी बूटी कंदमूल है वह औषिंध का कार्य करते हैं ऐसा बज़र्गों का कहना है की इस कंदमल को खाने से शरीर में कई बीमारियां दुर होती है और इसीलिए इस कंदमूल को साल में एक बार इस पर्व पर खाना चाहिए वहीं किसान अपने कृषि औजार सिंहत रापा, कुल्हाड़ी, हल आदि औजारों को धोकर पूजा अर्चना कर नारियल चीला रोटी, चढ़ाकर पूजा अर्चना करते हैं इस पर्व पर बच्चे गेड़ी का भी आनन्द लेते हैं बच्चों के लिए यह पर्व गेड़ी त्यौहार है।



हरेली पर्व पर रमई पाठ धाम में उमड़े श्रद्धालु, शिवलिंग पर चढ़ाया जल

सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता

है। शिवलिंग पर चढाया हुआ जल घर में छिडकने से नकारात्मक

ऊर्जा दूर होती है और घर में सुख-

शांति का वातावरण बनता है। कुछ

मान्यताओं के अनुसार, शिवलिंग

हरिभूमि न्यूज 🌬 मुड़ागांव (कोरासी)

छुरा विकासखंड के अंतिम छोर पर स्थित ग्राम सोरिद खुर्द से लगभग दो किलोमीटर दूर जंगल-पहाड़ों के मनोरम दृश्य के बीच स्थित रमई पाठ धाम में श्रावण मास में श्रद्धालू भक्तों का तांता लगा हुआ है। इस प्राचीन स्थल पर आठवीं शताब्दी की माता रमई पाठ के साथ भगवान शिव का एक प्राचीन शिवलिंग भी मौजुद है, जो आज भी उसी रूप में विद्यमान है। सावन मास में यहाँ शिवलिंग पर जल चढाने से भक्तों की मनोकामनाएं पुरी होती हैं। हरेली पर्व, जो कि छत्तीसगढ़ में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण त्यौहार है, के अवसर पर दूर-दराज से भी बड़ी संख्या में शिव भक्त रमई पाठ धाम पहुंचे और शिवलिंग पर जल अर्पित किया।

शिवलिंग पर जल चढ़ाने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और भक्तों को सख. शांति और समद्धि का आशीर्वाद देते हैं। मान्यता है कि पर चढाया हुआ जल चरणामृत के

समान होता है और इसे पीने से रोगों शिवलिंग पर जल चढाने से चित्त शांत होता है, जिससे मानसिक से मुक्ति मिलती है। तनाव कम होता है और

शास्त्रों में वर्णित है कि शिवलिंग पर जल चढ़ाने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इसलिए, हरेली पर्व पर शिवलिंग पर जल चढ़ाना एक महत्वपूर्ण धार्मिक कर्म है जो सुख, शांति और समृद्धि के लिए किया जाता है।

हर्षोल्लास से मनाई हरेली, पशुधन की पूजा की, औषधि बांटे व गेड़ी का उत्साह

हरिभूमि न्यूज 🕪 रसेला

वनांचल क्षेत्र में छत्तीसगढ़ का पहला और महत्वपूर्ण त्यौहार हरेली बड़ी धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह पर्व प्रकृति, पशुधन और कृषि के प्रति आभार व्यक्त करने का एक अनूठा अवसर है। सुबह से ही ग्रामीण अपने गाय और बैलों को गेहें के आटे की लोई और खमार पान में नमक मिलाकर खिलाते दिखे. ताकि मवेशी निरोग रहें। इसी क्रम में, रावत समदाय के लोग जंगल से कंदमूल लाकर गाँव की नदी की पूजा-अर्चना की। इसके बाद, इस कंदमूल का भोग लगाकर इसे सभी किसानों और ग्रामीणों में प्रसाद के रूप में वितरित किया गया। ऐसी मान्यता है कि जंगली कंदमूल खाने से शरीर निरोग रहता है। ग्रामीण और किसान इसके बदले में रावत को चावल, दाल और पैसे देते हैं। संतुराम यादव और नोहर यादव जैसे रावत बताते हैं कि वे दो दिन उपयोग में आने वाले सभी कृषि यंत्रों जैसे





गेडी और नीम की पत्तियां लटकाने की परंपरा

रेली त्योहार में बड़े और बच्चों ने गेड़ी में चढ़कर खूब आनंद लिया, जो इस पर्व का एक अभिन्न अंग है। एक महत्वपर्ण परंपरा के रूप में. ग्रामीण अपने घर के बाहर नीम और भेलवा की पत्तियां लटकाते हैं। ऐसा माना जाता है कि ये पत्तियां बुरी आत्माओं और नकारात्मक ऊर्जा को दूर रखती हैं, साथ ही कीटाणुओं और बीमारियों से भी बचाव करती हैं।

पहले ही जंगल जाकर कंदमूल ले आते हैं, और किसान जब गाय को आटे की लोई खिलाते हैं, तो वे उन्हें यह कंदमूल देते हैं, ताकि वे बीमारियों से बचे रहें। इसके पश्चात. किसानों ने अपने-अपने खेतों पर भेलवा पत्ती रखी। किसानों और ग्रामीणों ने अपने

नागर, रापा, कुदारी, कुल्हाड़ी, बसला सहित अन्य सामानों को साफ-सफाई कर विधिवत पजा-अर्चना की। उन्होंने चावल के आटे का चीला और मीठा भोग लगाकर अच्छी फसल होने के साथ-साथ घर और गांव में सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। महिलाओं ने भी अपने-अपने घरों में हरेली त्योहार के उपलक्ष्य में कई प्रकार के पारंपरिक व्यंजन

परंपरा और मान्यताएं- किसान भागवत कोमर्रा और खिलावन यादव ने बताया कि यह छत्तीसगढ़ का पारंपरिक त्योहार है और आज से ही सभी त्योहार शुरू हो जाते हैं। धान की बुवाई और रोपाई समाप्त होने के बाद सावन की अमावस्या के दिन हरेली त्योहार मनाया जाता है। वहीं, कुछ जगहों पर यह प्रथा भी प्रचलित है कि हरेली के दिन जादू-टोना और टोन्ही (डायन) रात में श्मशान में साधना करती हैं। हालांकि, कुछ लोग इसे अंधविश्वास मानते हैं और इसके खिलाफ जागरूकता भी फैलाते हैं। किसान इस पर्व को कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में मनाते हैं। यह केवल धार्मिक आस्था का ही नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, श्रम की महत्ता, पशुपालन के योगदान और सांस्कृतिक गौरव का संदेश भी देता है। यह धरती माता के अभिवादन का भी त्योहार है।

परसट्टी में धूमधाम से मनाया गया हरेली पर्व



छुईहा बेलर। ग्राम परसूत्री में छत्तीसगढ का पहला त्योहार हरेली बडे धूमधाम सें मनाया गया। यह पर्व किसानों के लिए अपने पशूधन के सम्मान और धरती माता के प्रति आभार व्यक्त करने का एक बड़ा अवसर है। खेती-किसानी की तैयारियों के बीच, इस त्योहार को घर-घर में उत्साह के साथ मनाया गया। किसानों ने खेती में उपयोग होने वाले सभी कृषि औजारों और यंत्रों की सफाई कर उनका विधिवत पूजन किया। हरेली त्योहार के उपलक्ष्य में, गौठान पर रावत परिवार के रवि यादव और बैगा कन्हैया साहू द्वारा जंगली दशमूल गोढ़ली औषधि का वितरण किया गया। वहीं, ग्रामीण किसान निखिल साह ने अपने पालत जानवरों को आटे के साथ नमक को खमार पत्ते की गठरी बनाकर खिलाने की पुरानी परंपरा का निर्वहन किया। बच्चों ने भी इस पर्व का भरपर आनंद उठाया। उन्होंने गेडी का मजा लेना शरू कर दिया. जिससे उनकें उत्साह की झलक साफ दिखाई दी। यह पर्व किसानों के जीवन और प्रकृति से उनके गहरे जुड़ाव को दर्शाता है।

हरेली त्यौहार को यादगार बनाने गायत्री परिवार की शानदार पहल

नवाडीह पथर्रा में हरेली पर्व पर लगाए गए 12 पौधे

पर्व मनाया गया।

अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकंज हरिद्वार के निर्देशन और गायत्री शक्तिपीठ राजिम जिला समन्वय समिति के मार्गदर्शन में गरियाबंद जिले के सभी गांवों में 20 जुलाई से वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में, छत्तीसगढ़ के पहले त्योहार हरेली के पावन अवसर पर, शासकीय प्राथमिक शाला नवाडीह पथर्रा में 12 पेड लगाए गए, जिससे शाला परिसर में हरियाली आएगी। लगाए गए पेड़ों में आम, काजू, करंज, जामुन, बेल इत्यादि शामिल हैं। इकाई प्रमुख रामकुमार साह ने बताया कि हरेली का शाब्दिक अर्थ ही हरियाली है। यह त्यौहार केवल प्रकृति की पूजा नहीं, बल्कि किसानों के अथक परिश्रम का उत्सव भी है। हरेली धरा और मानव के मित्र के सदस्यों द्वारा नवाडीह पथर्रा में किए

प्रतीक है, जो भूमि को माता और हल को भगवान का दर्जा देता है। वार्ड पार्षद रेखा कुलेश्वर साहू ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि हरेली के शुभ अवसर पर किसान अपने हल, कुदाली, रापा

सहित सभी औजारों की श्रद्धापूर्वक पूजा करते हैं। इस अवसर पर पारंपरिक रूप से चावल के आटे से बने व्यंजन जैसे चीला रोटी, मृठिया, अंगारकर रोटी, चौसेरा रोटी आदि बनाए जाते हैं। इसके अलावा, कांदा भाजी, कोचाई पत्ता, चौलाई भाजी, बोहर भाजी जैसी कई हरी सब्जियां भी बनाई जाती हैं। उन्होंने गायत्री परिवार और तरु



गए इस सराहनीय वक्षारोपण की प्रशंसा की। ट्रस्टी संतोष कुमार साह ने बताया कि पिछले कई वर्षों से गायत्री परिवार द्वारा राजिम नगर के विभिन्न स्थानों जैसे शीतला तालाब, मोरहा तालाब, खाम तालाब, मुक्तिधाम, देवार पारा स्कूल और आदिवासी छात्रावास में सैकड़ों पेड़ लगाए जा चुके हैं, जो अब विशाल पेड़ बनकर फल, फूल और छाया दे रहे हैं। उन्होंने जोर परिवार का उद्देश्य केवल पेड लगाना ही नहीं, बल्कि उनकी देखभाल करना और भीषण गर्मी में पानी डालकर उन्हें जीवित रखना भी है। उन्होंने बताया कि

अभियान आने वाले समय में भी निरंतर जारी रहेगा। किसान समिति के अध्यक्ष भागवत साहू ने वृक्षों के पर्यावरणीय लाभों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एक परिपक्व पेड़ हर साल लगभग 22 किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड सोख सकता है, जिससे वायु प्रदुषण और ग्लोबल वार्मिंग से लड़ने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि हरियाली आंखों की रोशनी पर

अच्छा प्रभाव डालती है. प्रदेषित हवा को सोख लेती है, और फेफड़ों के लिए बहुत अच्छी होती है। हरियाली में टहलने से तनाव कम होता है और सुकून मिलता है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में पवन गुप्ता, साधुराम निषाद, रमेश साहू, ईश्वर साह, शिवकुमार साह, बलराम यादव, सुरेश पटेल, पुरण साहू, वृक्षारोपण प्रभारी अमृत साह, लोकेश्वर बज्जपात, प्रधानपाठक तीजे कुमार, राजेंद्र पांडे, खिलेश्वर साहू, रिखीराम साहू, संतोष आडिल, खोमेश आडिल, डोमन ध्रुव, दीपक साहू, गीतांजिल साहू, दीपा साहू, हेमलता साहू, लुकेश्वरी दीवान, राजेश्वरी साह और निहारिका साहू का विशेष योगदान रहा। सभी को अपने-अपने खेतों, बाड़ी और अन्य खाली जगहों पर भी पौधारोपण करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

गोहरापदर में अभाविप ने मनाया ७७वां स्थापना दिवस, मेधावी छात्रों का सम्मान

मैनपुर। मैनपुर विकासखण्ड के गोहरापद्दर इकाई द्वारा अभाविप के 77वें स्थापना दिवरूँ के उपलक्ष्य पर प्रतिभावान छात्र सम्मान समारोह व कैरियर मार्गदर्शन का आयोजन किया गया। इस दौरान परीक्षाओं में अच्छे अंक लाने वाले विद्यार्थियों एवं स्काउट्स गाइड के प्रतिभावान विद्यार्थी साथ ही अन्य प्रतिभावान छात्रों को प्रमाण पत्र एवं एबीवीपी का मेडल ढ़ेकर सम्मानित किया गया। जनपढ़ पंचायत अध्यक्ष मोहना नेताम, एसआई बेनूराम सेठिया जी,भारतीय किसान संघ अध्यक्ष अरुण ठाकर. जिला संयोजक क्षितिजनारायण तिवारी. उपस्थित रहें। कार्यक्रम की मख्य अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष मोहना नेताम ने कहा कि छात्रों को सही दिशा में ले जाने के लिए विद्यार्थी परिषद का कार्य अत्यंत ही आवश्यक है अभाविप के कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र में पहली बार ऐसे कार्यकमों आयोजन कर छात्र छात्राओं का उत्साह बढ़ाया साथ ही करियर के लिए मार्गदर्शित किया,हमारे क्षेत्र में लगातार विद्यार्थी परिषद छात्रहित में कार्य कर रहा है। एसआई बेनूराम सेठिया ने कहा कि छात्र भारत के लोकतंत्र की नींव है युवा ही भारतबकी शक्ति है युवाओं के लिए देशभर में नए रास्ते खुल रहे है। शिक्षा के साथ ही अन्य क्षेत्रों में छात्रों को कार्य करना चाहिए स्काउट्स गाइँड के छात्र सदैव ही सामाजिक कार्यों में हमारा सहयोग करते है। अभाविप जिला संयोजक क्षितिजनारायण तिवारी ने कहा कि 1949 से लेकर आज राष्ट्रीय पुननिर्माण के ध्येय के ज्ञान शील एकता के मूलमंत्र को लिए विद्यार्थी परिषद की ध्येय यात्रा निरंतर जारी है।समाज में जागरूकता का विषय हो या छात्र हित के लिए सड़क पर लड़ाई लड़नी हो परिषद के कार्यकर्ता सतत्रूप से राष्ट्र सेवा में लंगे रहते हैं, हमारे क्षेत्र में गोहरापदर महाविद्यालय भवन,उरमाल हाई स्कूल मूल भवन,गोहरापदर हाई स्कूल मूल भवन निर्माण को लेकर जब क्षेत्र में नेशनल हाईवे 130 सी पर पर छात्र आंदोलन किया आज सड़क की लड़ने से हमारे दो मांग पूरी हुई और आज हाईस्कूल गोहरापदर का निर्माण पुनः प्रारंभ हो चुका है और उरमाल भवन की स्वीकृति मिल गई।

खबर संक्षेप

पंचायत परसदा में किया गया पौधा रोपण



नवापारा-राजिम। ग्राम पंचायत परसदा में हरेली के दिन पौधा रोपण का कार्यक्रम पंचायत भवन में रखा गया जिसमें मां के नाम एक पेड़ का नारा एवं फ्लेक्स लगाते हुए पौधा रोपण गांव के सरपंच रमेश वर्मा, टीक् यादव ,माधुरी साहू, रामचंद्र तारक, योगेश यादव सहित ग्रामवासियों के सहयोग से पौधा रोपण किया गया। मोर गांव मोर पानी अभियान पौधा रोपण महोत्सव का नारा देते हुए सभी को टीक यादव ने जल संरक्षण पेड है तो कल है एवं वातावरण संरक्षण की शपथ सभी ग्रामीण जनों को दिलाया गया। बताया कि पेड़ लगाना सहज कार्य है उसके समाधान संरक्षण देखरेख का संकल्प सभी को लेना है। इस दौरान अश्वनी तारक, जनक यादव, कोमल रावत, मनी ध्रुव, राधे सतनामी, संतराम बारले, देवेंद्र, रिखीराम बोधन मौजूद थे।

यूनिसेफ की टीम ने ग्राम राखी कें स्कूल का निरीक्षण किया



अभनपुर। शासकीय प्राथमिक विद्यालय राखी में यूनिसेफ से अमेरिका व केन्या देश की पहुंची टीम का जोरदार स्वागत किया गया। युनिसेफ के आये टीम ने कक्षा पहली का निरीक्षण कर किचन गार्डन मे लगे विभिन्न सब्जियो की जानकारी ली वही शौचालय की साफ सफाई के साथ बाल सदन के मंत्रियो से विभिन्न विषयो मे चर्चा करते स्कूली प्रणाली को नजदीक से समझा। इस मौके पर फोटो सेंशन भी हुआ जिसमे टीम के सदस्य व बच्चे सहित विद्यालयीन स्टॉप मौजूद रहे। इस अवसर पर यूनिसेफ से अमेरिका व केन्या टीम, बीआरसी . राकेश साहू,एबीओ राजेश साहू ,सरपंच श्रीमती थामिनी चेलक,आशीष सर,बसंत मार्कण्डेय, पंचायत सचिव भाठापारा बेलर,पटवारी, पंचायत सदस्य स्कूली स्टॉफ व बच्चे उपस्थित रहे।

क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की जयंती मनाई

महासमंद। ग्राम पंचायत खरोरा में भारत देश के महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की जयंती मनाई गई। जिसमें सखी सहेली स्व सहायता समृह महिलाओं और संगठन रुचि महिला समृह, प्राची चंद्राकर, दामिनी विश्वकर्मा, आरबिन धीवर, राखी, सुनीता

पर्व : कृषि औजारों की पूजा कर सुख-समृद्धि और शांति की की गई कामना

हरेली का पर्व छत्तीसगढ़ की परंपरा और संस्कृति की धरोहर है : पटेल

हरिभुमि न्यूज 🕪 राजिम

नगर पंचायत राजिम के वार्ड क्रमांक 3 सरदार वल्लभभाई पटेल पारा में पार्षद जानकी पटेल के नेतत्व में छत्तीसगढ़ की पारंपरिक पर्व के अवसर पर गेड़ी दौड़ का आयोजन किया गया। जिसमें वार्ड के 30 बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पार्षद प्रतिनिधि सोमनाथ पटेल, बजरंग दल प्रमुख पुरुषोत्तम दुबे, समाजसेवी मनीराम पटेल, विक्रम पटेल मुख्य रूप से उपस्थित हुए। सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ गेड़ी की पूजा अर्चना तथा प्रतिभागियों का गुलाल लगाकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात गेड़ी दौड़ प्रतियोगिता का शुभारंभ हरी झंडी दिखाकर किया गया। जिसमें मुख्य रूप से प्रथम स्थान जितेश पटेल पिता रोशन पटेल, दुसरा स्थान पुरन पटेल पिता विक्रम पटेल वहीं तीसरा स्थान लोमस पटेल पिता छोटेलाल पटेल ने प्राप्त किया।



सभी प्रतिभागियों का सम्मान अतिथियों द्वारा स्मृति चिन्ह प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर गेड़ी दौड़ प्रतियोगिता को संबोधित करते हुए पार्षद प्रतिनिधि सोमनाथ पटेल ने कहा कि हरेली

का पर्व छत्तीसगढ़ की परंपरा और संस्कृति की धरोहर है. यह हमारा प्रथम त्यौहार है. यह पर्व हरियाली का प्रतीक है, आज ही के दिन किसान अपने कृषि औजारों की पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि और शांति की कामना

भगवान से करते हैं। बजरंग दल प्रमुख पुरुषोत्तम दुबे ने कहा कि हरेली का पर्व आनंद और उल्लास का पर्व है। आज हमारे वार्ड में बच्चों को उत्साहित करने के लिए गेड़ी प्रतियोगिता का शानदार आयोजन किया जा रहा है. इससे हमारे बच्चे हमारे तीज त्योहारों को जानेंगे साथ ही हमारी संस्कृति और परंपरा का अनुकरण करेंगे। समाज सेवी मनीराम पटेल ने कहा कि आज आधुनिकता के दौर में हमारे तीज त्यौहार विलुप्त होते जा रहे हैं, आने वाली पीढ़ी को हमारे तीज त्योहारों की जानकारी होना बहुत जरूरी है। औजारों की पुजा करना और गेडी चढना हमारी पुरातन संस्कृति है, अतः हम सबको हमारी संस्कृति परंपरा और तीज त्योहार को संजोकर रखने की आवश्यकता है। वार्ड के युवा साथी विक्रम पटेल ने पार्षद जानकी पटेल को गेड़ी दौड़ के आयोजन करने पर वार्डवासियो की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया।

उल्बा में हरेली पर्व पर किया गया पौधारोपण

अभनपुर। ग्राम उल्बा में शीतला परिसर मे वृहद्द वृक्षारोपण कर हरेली त्यौहार मनाया गया। ग्रामीणो द्वारा हरेली त्योहार को सार्थक बनाने के उद्देश्य से अभियान

चलाकर वृक्षारोपण किया याह ने ग्रामीणो को मोर माध्यम से जल संरक्षण का विस्तत जानकारी ढी व



का अपील किया है। जिसे हम सब संकल्प लेकर वृक्षारोपण महा अभियान का हिस्सा बनकर पर्यावरण को संरक्षित.संत्रलित करने में अपना योगदान प्रदान करें। एक पेड़ की छांव एवं उनसे प्राप्त होने वाले शुद्ध हवा तथा अन्य चीजें हमारे कई पीढियां को प्रदान करता है। इस दौरान उप सरपंच सुशीला सोनवानी , सचिव रेशम कोशले. चैतराम सपहा, अंबिका कोसले, भुवनेश्वरी तारक, ओमेश्वरी तारक, गायत्री तारक,मोगरा ध्रुव, बृजेश पांडे,दमर्यंती साहू, अनीता पांडे, लीला साह्, नर्मदा साह्र, रविंद्र तारक व अन्य ग्रामीण उपस्थित रहें।



नवापारा-राजिम। पारागांव में हरेली त्योहार के अवसर पर छोटे-छोटे बच्चो ने गेड़ी में चढ़कर आनदं लिया।

हरेली कृषि उपज और उत्साह का प्रतीक

हरिभूमि न्यूज 🌬 नवापारा-राजिम

ग्राम परसदा में हरेली का त्यौहार हर्ष व उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर किसान रापा. कुदाली, गैंती, फावड़ा समेत कृषि में काम आने वाले औजारों की

सफाई साफ करते हए हल एवं बैलों की पूजा व्याख्याता बताया

छत्तीसगढ़ में हरेली का त्यौहार का विशेष महत्व ह। हरेली त्यौहार प्रतिवर्ष सावन माह की अमावस्या को मनाया जाता है इस दिन किसान अपने कुल देवता व कृषि औजारों की पूजा करने के बाद सुख, समृद्धि खुशहाली एवं अच्छी फसल की कामना करते हैं। इसलिए हरेली का त्योहार कृषि, उपज और प्रतीक माना जाता है। बच्चे एवं युवा गेड़ी का आनंद लिए। वहीं शासन के निदेशींनुसार ग्राम पंचायत भवन मे एक पेड़ मां

के नाम पर पौधा रोपण किया गया। इस अवसर पर सरपंच रमेश वर्मा ने कहा कि जीवन में पेड़ों का बहत महत्व है हम सभी को अपने पर्यावरण को बचाने में सहयोग करते हुए वृक्षारोपण जरूर करना चाहिए। टीकू यादव मनरेगा मेट ने

> मोर गांव, मोर पानी का नारा लगाते हुए कहा कि पेड है तो कल है ग्रामीण जनों

को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाते हुए कहा कि पेड लगाना सहज कार्य है लेकिन उनका संरक्षण, देखभाल की जिम्मेदारी सभी का नैतिक कर्तव्य है। इस अवसर पर सचिव रामचंद्र तारक रोजगार सहायिका माधुरी साह योगेश यादव, संत राम बारले, अश्वनी तारक, जनक यादव, कोमल रावत, मनी ध्रुव राधे सतनामी, कोटवार रिखीराम चपरासी बोधन एवं ग्रामवासी

उपस्थित थे।

देवगांव में मनाया गया हरेली त्योहार

अभनपुर। हरेली तिहर पर गेड़ी पर चढ़े ग्राम खोरपा के बच्चे। मिली छत्तीसगढ़ी संस्कृति की झलक।

हरेली में गेड़ी का आनंद.

हरिभूमि न्यूज 🕪 छुईहा बेलर छत्तीसगढ की सांस्कृतिक आत्मा और कृषि

परंपरा से जुड़ा प्रमुख लोकपर्व हरेली तिहार 24 जुलाई को ग्राम देवगांव में पारंपरिक और उल्लासपूर्ण रूप से मनाया गया। ग्रामवासियों ने गौठान में सामुहिक इस विशेष आयोजन में लोकजीवन की विविध रंगतें, सांस्कृतिक विरासत और किसानों के प्रति सम्मान का भाव सजीव रूप में प्रकट दिखाई दी। हरेली त्यौहार के आयोजन के लिए यादव परिवार द्वारा जंगली दशमुल, गोदली औषधि का वितरण किया गया तो किसानों ने अपने पालत् पशुओं को खमार पत्ता में आटा की लोदी में नमक के साथ खिलाया गया। सरपंच राजेंद्र साहू, भीषमदेव नगारची,



बंसी यादव, रुपेश यादव, भागीरथी यादव, संतु साहू, मनीराम, तेज ध्रुव बैगा, मनबोद, भीषम, तिलंक. आसाराम साह, रोहित साहू, गंगादिन साह समस्त ग्रामवासी ने कहा समय बदलता है लेकिन परंपराएं जीवित रहती हैं। लोग याद रखते हैं जो उन्हें अपने ग्रामीण अंचल और पुरखों से जोड़ती है। कृषि उपयोगी समाग्री की साफ सफाई फिर गौशाला में सजाकर पारम्परिक गुड़ मिलाकर बनाये चीला का भोग चढाया गया।

पंचायत सोरिद खुर्द में पीपल पौधा का किया गया रोपण

के पावन अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति एक अनूठी जागरूकता दिखाई गई। गायत्री परिवार के मार्गदर्शन और ग्रामीणों के सहयोग से, पांच पीपल के पौधों का सामृहिक

रोपण किया गया। यह पहल न केवल पर्यावरण को शुद्ध रखने में मढढ़ करेगी. बल्कि आने वाली पीढियों को भी हरियाली की सौगात देगी। इस नेक कार्य में गांव के सरपंच चंद्रहास बरिहा, उन्नत कृषक जगदीश साहू.

युगपुरोहित प्रमानंद्र यादवं, समाजसेवी हेमलाल साह, जिला उपाध्यक्ष भाजयुमो राजू साहू, भोपाल सिन्हा, देवानंद सिन्हा, भागवत सिन्हां, श्रीराम सिन्हां, ओमप्रकाश ध्रुव, दृष्यंत साह, मीत साह सहित अनेक ग्रामीणजनों ने बढ-चढकर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल वृक्षारोपण तक ही सीमित नहीं था. बल्कि इसके माध्यम से गांव में पर्यावरणीय चेतना, हरियाली का संवर्धन और लोक पर्वों के माध्यम से सामाजिक समरसता को भी बढ़ावा देना था।

धूमधाम से मनाया गया हरेली त्योहार

हरिभूमि न्यूज 🕪 गरियाबंद

छत्तीसगढ का पारंपरिक पहला त्योहार हरेली सावन अमावस्या को मनाया जाता है। इसी कड़ी में गरियाबंद जिले के ग्रामीण अंचलों में भी यह त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया गया। परंपरा के अनुसार, किसान और ग्रामीण इस दिन अपने कषि यंत्रों जैसे नागर, रापा, कदारी को साफ कर उनकी पूजा-अर्चना करते हैं। हरेली के अवसर पर किसान अपने बैल और गायों को गेहूं के आटे की लोंदी और खमार पान में नमक खिलाते हैं। मान्यता है



रहते हैं। साथ ही, ग्रामीण घर के बाहर नीम की पत्तियां लटकाते हैं ताकि बुरी शक्तियों और कीटाणुओं से बचाव हो सके। रावत समाज के लोग जंगल से कंदमल लाकर किसानों और ग्रामीणों को देते हैं। यह मान्यता है कि जंगली कंदमल

खाने से काया निरोग रहती है। बदले में किसान उन्हें चावल. दाल और पैसे देते हैं। किसानों का कहना है कि यह त्यौहार फसल की हरियाली और पशुधन के सम्मान का प्रतीक है। हरेली के दिन से ही त्यौहारों की शुरुआत होती है। धान की बआई समाप्त होने के बाद किसान इस त्यौहार को बड़ी श्रद्धा से मनाते हैं। स्थानीय मान्यता है कि इस दिन कुछ लोग जादु-टोना जैसी गतिविधियों में लिप्त रहते हैं, जबिक कई लोग इसे अंधविश्वास मानते हैं और इसके खिलाफ जागरूकता फैलाते हैं।

धीवर समाज के मेधावी छात्रों का अभाविप ने किया सम्मान

हरिभुमि न्यूज 🕪 अभनपुर

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के स्थापना दिवस पर अभनपर इकाई द्वारा धीवर समाज मे आयोजित सम्मान समारोह में पढ़ाई और खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सैकडों विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में एबीवीपी प्रदेश संगठन मंत्री महेश साकेत और प्रांतीय सचिव पूर्व सैनिक सेवा परिषद योगेश साह विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को राष्ट्रनिर्माण में भागीदारी का संदेश दिया और एबीवीपी के इतिहास एवं योगदान पर प्रकाश डाला इस अवसर पर अभनपुर नगर की नई कार्यकारिणी की भी घोषणा की गई जिसमे डिलेश्वर साहू को पुनः नगर अध्यक्ष बनाया गया, जबकि हिमेश साहू को नगर मंत्री और मेहुल सिन्हा को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। अन्य



दायित्वों में प्रमुख रूप से आलेख राज साहू, दीप्ति मार्कण्डेय, हिमांशु साहू, दुष्यंत विश्वकर्मा,प्रवीण साह,केसर साह,मधुलिका साहू, कंचन साहू, मोनिका सपहा समेत कई युवा कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई। इस अवसर पर विभाग संयोजक राधेश्याम साह्,ज्ञानप्रकाश चंन्द्राकर,लक्ष्य साह,वास् अग्रवाल,पार्षद मीना साह,सासंद

प्रतिनिधि अनिल अग्रवाल,सूरज साहू,चेतना गप्ता,चंपा लेदेकर,शारदा साह,राधिका साह,रानू साह, सीता साह, हिमाशुं दीवान,अनीश सर्यवंशी,कैलाश यादव,निखिल साह,रूपेश साह,मनीष साह,हैरीना कुर्रे,मीनाक्षी साह सहित गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, पूर्व कार्यकर्ता, अभिभावक व विद्यार्थी बडी संख्या में शामिल हए।

हरिभूमि न्यूज 🕪 अभनपुर

पीएम श्री स्वामी आत्मानंद हिन्दी व अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय खोरपा में संकुल स्तरीय मेधावी बच्चो का प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन विधायक इन्द्रकुमार साह के आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस मौके पर विधायक श्री साहू ने कक्षा पांचवी,आठवी,दसवी,बारहवी मे उच्च स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी बच्चो को मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया एवं सीडब्ल्एसएन के बच्चो का शासन द्वारा प्राप्त किट का वितरण किया गया साथ ही अंग्रेजी माध्यम के बच्चो व शिक्षको द्वारा प्रकाशित



पत्रिका आरोहन का विमोचन किया गया। विधायक व उपस्थित अतिथियो ने एक पेड मां के नाम 2.0 अभियान के तहत वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर विधायक इन्द्रकुमार साह ने बच्चो

को शभकामनाएं देते कहा कि कडी मेहनत ही सफलता की कंजी है.हमे जब अपने लक्ष्य पर विश्वास रखेगे तभी आगे बढ़ पायेगे। कार्यक्रम मे स्कूली बच्चो द्वारा आकर्षण सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। इस

दौरान जनपद उपाध्यक्ष खेलूराम साह्,सेजेस अध्यक्ष रामसिंग साहूँ,सरपंच मीनू चम्मन धुरव,जिला खनिज न्यास सदस्य राघवेन्द्र साह्,सांसद प्रतिनिधि अर्जन धीवर.विधायक प्रतिनिधि कृष्णकांत नामदेव,मंडल अध्यक्ष किशोर साहू, सोसायटी अध्यक्ष छबीराम साहू, उपसरपंच रमेश साह, हरीश पांडे,देवलाल साह, बुधारू साह्,बाबूलाल साहू,प्रदीप साह,यादवराम देवांगन, मानसिंग साह, प्राचार्य सोमा बनिक, रेखा बघेल.संध्या नामदेव .अनसङ्या साह,यशवंत साह,अनिल साह, उदय साहू सहित बड़ी संख्या मे बच्चे व ग्रामीण उपस्थित रहे।

शिवमक्तो-समर्थकों के साथ करेंगे महादेव की पूजा

पूर्व मंत्री धनेंद्र 28 को करेंगे पंचकोशी धाम की यात्रा

हरिभूमि न्यूज 🕪 राजिम

सावन के तीसरे सोमवार 28 जुलाई को अभनपुर के पूर्व विधायक और पूर्व मंत्री धनेंद्र साह, शिव भक्तों और समर्थेकों के साथ पंचकोशी धाम की यात्रा पर निकलेंगे। यह यात्रा हर साल की तरह इस बार भी बुलेट मोटरसाइकिल से शुरू होगी। सुबह 7 बजे भोलेनाथ कुलेश्वर महादेव में जल चढ़ाकर पूजा-अर्चना करेंगे। सुबह 8 बजे नवापारा से 5 किमी दूर पटेश्वरनाथ महादेव (पटेवा) में पूजा-अर्चना करेंगे। सुबह 9:30 बजे यहां से 14 किमी दूर चंपेश्वर महादेव मंदिर (चंपारण) पहुंचकर पूजा करेंगे। दोपहर 12 बजे 30 किमी दूर महासमुंद के बम्हनेश्वरनाथ महादेव की पूजा-अर्चना कर थोड़ा विश्राम करेंगे। दोपहर 3 बजे यहां से 22 किमी दूर राजिम



विधानसभा क्षेत्र के फिंगेश्वर पहुंचकर शाम 4 बजे 32 किमी दुर कोपेश्वरनाथ 7 बजे काफिले के साथ वापस कुलेश्वरनाथ फणिकेश्वर महादेव की पूजा-अर्चना करेंगे। महादेव (कोपरा) पहंचकर पूजा करेंगे। शाम महादेव मंदिर पहंचकर यात्रा समाप्त करेंगे।

यात्रा का उद्देश्य और विशेषता

धनेंद्र साहु ने हरिभूमि से चर्चा में बताया कि यह उनेकी सालों से चली आ रही धार्मिक यात्रा है। वे हजारों शिव भक्तों और समर्थकों के साथ सामृहिक रूप से इस यात्रा में शामिल होते हैं और महादेव की पूजा कर प्रदेश और विशेषकर अभनपुर विधानसभा क्षेत्र की खुशहाली, तरक्कों और सुख-समृद्धि के लिए मंगल कामना करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इस यात्रा में बड़ी संख्या में शिव भक्त, समर्थक और मातृशक्तियां स्वतः स्फूर्त शामिल होती हैं।

भव्य स्वागत की तैयारी- इस यात्रा का स्वागत गांव-गांव में किया जाएगा। समर्थकों ने जगह-जगह आतिशबाजी और फूलों की मालाओं से स्वागत की तैयारी कर ली है। इस बार महासमुंद और राजिम विधानसभा क्षेत्र के गांवों में, जहां से काफिला गुजरेगा, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने व्यापक रूप से स्वागत की योजना बनाई है. कई गांवों में जोरदार आतिशबाजी देखने को मिलेगी। यात्रा का नजारा देखने लायक होगा, जिसमें सैकड़ों मोटरसाइकिल, स्कूटर, छोटा हाथी, मैजिक, पिकअप, ट्रैक्टर और बसों के अलावा तरह-तरह के संसाधनों में समर्थक शामिल रहेंगे। अधिकतर गाडियां मातृशक्तियों से भरी होंगी। यह एक ही दिन में पांच महादेव के दर्शन और पूजा का

